C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

महात्माओं और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है- आवाज़ को ध्यान से सुनना। यह आवाज़ कुछ भी हो सकती है। कौओं की कर्कश आवाज़ से लेकर नदियों की छलछल तक। मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक। अमूमन ऐसा होता नहीं। सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है। मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं, वहाँ बच्चों में सही-गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो

पाता है, क्योंकि ज्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है। बात औपचारिक हो या अनौपचारिक, दोनों स्थिति में हम दूसरे की न सुन, बस हावी होने की कोशिश करते हैं। खुद ज्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से जाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम। ज्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की भी संख्या ज्यादा होती है। अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं, तो अपने दोस्तों से ज्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त बनाना चाहते हैं, तो दुश्मनों से कम बोलें। अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूजवेल्ट का अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उनकी बातें ज्यादा सुनने की कोशिश करते। वह कहते थे कि लोगों को अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। इसका लाभ यह मिला कि ज्यादातर अमेरिकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते, और दुख में दुखी।

1. अनसुना करने की कला क्यों विकसित होती है?
2. अधिक बोलने वाले अभिभावकों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों?
3. अधिक बोलना किन बातों का सूचक है?
4. रूजवेल्ट की लोकप्रियता का क्या कारण बताया गया है?
5. अनुच्छेद का मूल भाव तीन-चार वाक्यों में लिखिए।
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए: [3]

- विचार
- बेकार
- अमृत

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: [3]

- ढूढना
- पूछ

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- गजल
- फितरत

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए:

- कँगन
- हस

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [3]

- टोकरी
- तीसरा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए:

- दुर्गुण
- कुख्यात

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए:

- भटका
- रेती

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : [3]

1. महा कवि तुलसीदास ने सत्य कहा है पराधीन सपनेहु सुख नाहीं
2. वनों से निम्न लाभ हैं
3. नहीं ऐसा नहीं हो सकता

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : [4]

- ज्ञानोपदेश
- सदैव
- स्वागत
- पवित्र

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया से क्या तात्पर्य है?
2. भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था?
3. कीचड़ जैसा रंग कौन लोग पंसद करते हैं?
4. महादेव भाई को मुलाकाती हमेशा क्यों याद रखते थे?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. बाज़ार के लोग खरबूज़े बेचनेवाली स्त्री के बारे में क्या-क्या कह रहे थे? अपने शब्दों में लिखिए।

2. आनेवाला समय किस प्रकार के धर्म को नहीं टिकने देगा?

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?
2. कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?
3. 'नट' किस कला में सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है?
4. कवि द्वारा रास्ता भूल जाने का मुख्य कारण क्या है?

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'अग्नि पथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।
2. ‘सागर की अपेक्षा पंक जल धन्य है’- से कवि रहीम का क्या अभिप्राय है?

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. 'इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें- गांधीजी ने यह किसके लिए और किस संदर्भ में कहा?
2. लेखक तक्षशिला कब और क्यों गए थे? वहाँ उनकी मुलाकात किससे किस प्रकार हुई?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

आज-कल लोगों में त्योहारों के प्रति उत्साह एवं आस्था के अभाव का बढ़ना

पुस्तक की आत्मकथा

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. आपके नाम से प्रेषित एक हजार रु. के मनीआर्डर की प्राप्ति न होने का शिकायती पत्र अधीक्षक, पोस्ट आफिस को 80 से 100 शब्दों में लिखिए।
2. आपका छोटा भाई पढ़ाई में बिलकुल ध्यान नहीं दे रहा है। वह न तो विद्यालय में पढ़ता है और न घर पर। इस बार परीक्षा में उसके अंक भी बहुत कम आए हैं। अतः पढ़ाई का महत्त्व समझाते हुए 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्र. 12. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन 40 से 50 शब्दों में करें। [5]

1.

2.

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।
2. मकान मालिक और किरायेदार के मध्य संवाद लिखिए।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. कॉफ़ी के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।
2. साइकिल का विज्ञापन तैयार कीजिए।

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

महात्माओं और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है- आवाज़ को ध्यान से सुनना। यह आवाज़ कुछ भी हो सकती है। कौओं की कर्कश आवाज़ से लेकर नदियों की छलछल तक। मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक। अमूमन ऐसा होता नहीं। सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है। मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं, वहाँ बच्चों में सही-गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो

पाता है, क्योंकि ज्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है। बात औपचारिक हो या अनौपचारिक, दोनों स्थिति में हम दूसरे की न सुन, बस हावी होने की कोशिश करते हैं। खुद ज्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से जाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम। ज्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की भी संख्या ज्यादा होती है। अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं, तो अपने दोस्तों से ज्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त बनाना चाहते हैं, तो दुश्मनों से कम बोलें। अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूजवेल्ट का अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उनकी बातें ज्यादा सुनने की कोशिश करते। वह कहते थे कि लोगों को अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। इसका लाभ यह मिला कि ज्यादातर अमेरिकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते, और दुख में दुखी।

1. अनसुना करने की कला क्यों विकसित होती है?

   उत्तर : सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है।

2. अधिक बोलने वाले अभिभावकों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों?

   उत्तर : अधिक बोलने वाले अभिभावकों के वहाँ बच्चों में सही-गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो पाता है, क्योंकि ज्यादा

बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है।

3. अधिक बोलना किन बातों का सूचक है?

उत्तर : अधिक बोलना इस बात का सूचक है कि हम अपने बारे में ज्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम।

4. रूजवेल्ट की लोकप्रियता का क्या कारण बताया गया है?

उत्तर : अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूजवेल्ट का अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उनकी बातें ज्यादा सुनने की कोशिश करते और यही उनकी लोकप्रियता का कारण था।

5. अनुच्छेद का मूल भाव तीन-चार वाक्यों में लिखिए।

उत्तर : इस अनुच्छेद का मूल भाव यह है कि हमें दूसरों की बातों को भी ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए जिससे हम बेहतर मित्र और लोकप्रिय भी हो सकते हैं।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'बोलने की कला' है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए: [3]

- विचार = व् + इ + च् + आ + र् + अ
- बेकार = ब् + ए + क् + आ + र् + अ
- अमृत = अ + म् + ऋ + त् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: [3]

- ढूढना - ढूँढना
- पूछ - पूँछ

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- गजल - ग़ज़ल
- फितरत - फ़ितरत

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए:

- कँगन - कंगन
- हस - हंस

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [3]

- टोकरी - ई
- तीसरा - रा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए:

- दुर्गुण - दुर्
- कुख्यात - कु

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए:

- भटका - भटक + का
- रेती - रेत + ई

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : [3]

1. महा कवि तुलसीदास ने सत्य कहा है पराधीन सपनेहु सुख नाहीं

   उत्तर : महा कवि तुलसीदास ने सत्य कहा है- "पराधीन सपनेहु सुख नाहीं"।

2. वनों से निम्न लाभ हैं

   उत्तर : वनों से निम्न लाभ हैं :-

3. नहीं ऐसा नहीं हो सकता

   उत्तर : नहीं, ऐसा नहीं हो सकता।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : [4]

- ज्ञानोपदेश = ज्ञान + उपदेश
- सदैव = सदा + एव
- स्वागत = सु + आगत
- पवित्र = पो + इत्र

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया से क्या तात्पर्य है?

   उत्तर : अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया से तात्पर्य घर के बजट से है। जब लेखक ने अनचाहे अतिथि को आते देखा तो उसे महसूस हुआ कि खर्च बढ़ जाएगा। इसी को बटुआ काँपना कहते हैं।

2. भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था?

उत्तर : भगवाना शहर के पास डेढ़ बीघा भर ज़मीन में खरबूज़ों को बोकर परिवार का निर्वाह करता था। खरबूज़ों की डलियाँ बाज़ार में पहुँचाकर लड़का स्वयं सौदे के पास बैठ जाता था।

3. कीचड़ जैसा रंग कौन लोग पंसद करते हैं?

उत्तर : कीचड़ जैसा रंग कला प्रेमी, कलाकार और फोटोग्राफर बहुत पसंद करते हैं। गत्तों दिवारों और वस्त्रों पर भी यह रंग पसंद किया जाता है।

4. महादेव भाई को मुलाकाती हमेशा क्यों याद रखते थे?

उत्तर : महादेव भाई गांधीजी से मिलने आये हुए सभी मुलाकातियों से बड़े प्यार से मिलते थे। मुलाकातियों को कभी यह महसूस ही नहीं होता था जैसे वे किसी अजनबी से मिल रहे हैं। अतः इसी अपनेपन के कारण मुलाकाती महादेव भाई को हमेशा याद रखते थे।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. बाज़ार के लोग खरबूज़े बेचनेवाली स्त्री के बारे में क्या-क्या कह रहे थे? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : धन के अभाव में बेटे की मृत्यु के अगले दिन ही वृद्धा को बाज़ार में खरबूज़े बेचने आना पड़ता है। बाज़ार के लोग उसकी मजबूरी को अनदेखा करते हुए, उस वृद्धा को बहुत भला-बुरा बोलते हैं। कोई घृणा से थूककर बेहया कह रहा था, कोई उसकी नीयत को दोष दे रहा था, कोई रोटी के टुकड़े पर जान देने वाली कहता, कोई कहता इसके लिए रिश्तों का कोई

मतलब नहीं है, परचून वाला कहता, यह धर्म ईमान बिगाड़कर अंधेर मचा रही है, इसका खरबूज़े बेचना सामाजिक अपराध है। इन दिनों कोई भी उसका सामान छूना नहीं चाहता था।

2. आनेवाला समय किस प्रकार के धर्म को नहीं टिकने देगा?

उत्तर : नमाज पढ़ना, शंख बजाना, नाक दबाना यह धर्म नहीं है, शुद्ध आचरण और सदाचार धर्म के लक्षण हैं। पूजा के ढ़ोंग का धर्म आगे नहीं टिक पाएगा। ऐसी पूजा तो ईश्वर को रिश्वत की तरह होती है। बेईमानी करने और दूसरों को दुःख पहुँचाने की आजादी धर्म नहीं है। इस लिए आगे से कोई भ्रष्ट नेता लोगों की धार्मिक भावनाओं से नहीं खेल सकता। आने वाला समय दिखावे वाले धर्म को नहीं टिकने देगा।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?

उत्तर : सुखिया के पिता पर मंदिर की चिरकालिक शुचिता को कलुषित करने तथा देवी का अपमान करने का आरोप लगाया गया और इस आरोप के अंतर्गत सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया गया और वहाँ न्यायधीश द्वारा सात दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई।

2. कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?

उत्तर : कविता में निम्न प्रकार के हाथों की चर्चा हुई है- उभरी नसों वाले हाथ, पीपल के पत्ते से नए-नए हाथ, गंदे कटे-पिटे हाथ, घिसे नाखूनों वाले हाथ, जूही की डाल से खूशबूदार हाथ, जख्म से फटे हाथ आदि।

3. 'नट' किस कला में सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है?

उत्तर : 'नट' कुंडली मारने की कला में सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है।

4. कवि द्वारा रास्ता भूल जाने का मुख्य कारण क्या है?

उत्तर : कवि द्वारा रास्ता भूल जाने का मुख्य कारण नित-नए निर्माण हैं। कवि ने अपने घर तक पहुँचने के लिए जो निशानियाँ बनाई थी वो इस नित्य प्रतिदिन बदलाव के कारण मिट गयी हैं। इसलिए कवि रास्ता भूल जाता है।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'अग्नि पथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता कवि 'हरिवंशराय' द्वारा रचित एक प्रेरणादायक कविता है। इस कविता के द्वारा कवि मनुष्य को संघर्षमय जीवन में हिम्मत न हारने की प्रेरणा दे रहा है। कवि जीवन को अग्नि से भरा हुआ मानता है। इस जीवन में संघर्ष ही संघर्ष है परन्तु मनुष्य को चाहिए कि वह इससे न घबराए, न ही अपना मुँह मोड़े और बिना किसी सहारे की अपेक्षाकर मार्ग में आगे बढ़ते रहे। क्योंकि अंत में ऐसे ही संघर्षशील पुरुषों का जीवन सफल होता है।

2. 'सागर की अपेक्षा पंक जल धन्य है'- से कवि रहीम का क्या अभिप्राय है?

उत्तर : सागर की अपेक्षा पंक जल धन्य है से कवि रहीम का अभिप्राय दोनों की जीवन में उपयोगिता से है। सागर पानी से लबालब भरा होने के बावजूद उसके जल को कोई पी नहीं

पाता क्योंकि उसका स्वाद खारा होता है। इसके विपरीत पंक के जल को पीकर छोटे जीव-जंतु की प्यास बुझ जाती है। वे तृप्त हो जाते हैं इसलिए रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को उसकी उपयोगिता के करण धन्य कहा है।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. 'इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें- गांधीजी ने यह किसके लिए और किस संदर्भ में कहा?

   उत्तर : गांधी जी एक बार रास गए। वहाँ उनका भव्य स्वागत हुआ। रास समुदाय के लोग इसमें सबसे आगे थे। जो दरबार कहलाते हैं। ये रियासतदार होते हैं। गोपालदास और रविशंकर महाराज जो दरबार थे, वहाँ मौजूद थे। ये दरबार लोग अपना सब कुछ छोड़कर यहाँ आकर बस गए थे। उनका यह त्याग एवं हिम्मत सराहनीय है। गांधी जी ने इन्हीं के जीवन से प्रेरणा लेने को लोगों से कहा कि इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें। धैर्य, त्याग और साहस के द्वारा ही अंग्रेजी शासन को बाहर खदेड़ा जा सकता है।

2. लेखक तक्षशिला कब और क्यों गए थे? वहाँ उनकी मुलाकात किससे किस प्रकार हुई?

   उत्तर : लेखक कोई दो साल पहले तक्षशिला के पौराणिक खंडहरों को देखने गए थे। उस समय गर्मी के कारण लेखक का भूख और प्यास से बुरा हाल था। खाने की तलाश में वह रेलवे स्टेशन से आगे बसे गाँव की ओर चले गए। वहाँ तंग और गंदी गलियों से भरा बाज़ार था, वहाँ पर खाने पीने का कोई होटल या दुकान नहीं दिखाई दे रही थी और लेखक भूख प्यास से परेशान था। तभी एक दुकान पर रोटियाँ सेंकी जा रही थीं जिसकी खुशबू से लेखक

की भूख और बढ़ गई। वे दुकान में चले गए और खाने के बारे में पूछने लगे। वहीं हामिद खाँ से लेखक का परिचय हुआ।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

आज-कल लोगों में त्योहारों के प्रति उत्साह एवं आस्था के अभाव का बढ़ना

भारत में विभिन्न धर्म विद्यमान हैं। इस कारण यहाँ उनसे जुड़े विभिन्न त्योहार विद्यमान है। त्योहार या उत्सव हमारे सुख और हर्षोल्लास के प्रतीक है जो परिस्थिति के अनुसार अपने रंग-रुप और आकार में भिन्न होते हैं। सभी त्योहारों से कोई न कोई पौराणिक कथा अवश्य जुड़ी हुई है और इन कथाओं का संबंध तर्क से न होकर अधिकतर आस्था से होता है। ये त्योहार भारत की एकता, अखंडता और भाईचारे का प्रतीक हैं। ये त्योहार हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक हैं और हमारी पहचान भी हैं। भारत संस्कृति में त्योहारों एवं उत्सवों का आदिकाल से ही काफी महत्त्व रहा है। परंतु आज यह देखकर दुख होता है कि लोग त्योहार के प्रति नीरसता दिखाने लगे है। इसके कई कारण है- आज की जीवनशैली, बढ़ता काम का तनाव, महँगाई आदि।

आज के युग में मनुष्य बहुत अधिक व्यस्त रहता है। उसे समय ही नहीं कि त्योहार के लिए तैयारी करे। इसके अलावा आज महँगाई इतनी बढ़ गई है कि दो वक्त का खाना भी कई लोग मुश्किल से पाते हैं उसमें त्योहार का खर्च कहाँ करेंगे। आज के युग में मनुष्य संयुक्त परिवार में नहीं रहता जिससे भी त्योहार मनाने का उत्साह फीका पड़ जाता है।

पुस्तक की आत्मकथा

बहुत दिनों से अपने मन की दशा किसी के सामने व्यक्त करना चाह रही थी। अच्छा, हुआ जो मैं आपके हाथ लगी। मैं आपको को अपनी आत्मकथा सुनाना चाहती हूँ। मैं आज जिस रूप मैं हूँ, वैसे ही मैं अपने प्रारंभिक रूप में कतई नहीं थी। प्राचीन काल में जब तक मेरा आविष्कार नहीं हुआ था तब तक मौखिक ज्ञान द्वारा ही शिक्षा प्रदान की जाती थी परंतु धीरे-धीरे जब ज्ञान को सुरक्षित रखने की समस्या उत्पन्न हुई तो पेड़ की छालों से बने भोजपत्रों पर लिखना आरंभ हुआ। उसके बाद कागज का आविष्कार हुआ और लोगों ने मुझ पर लिखना आरंभ किया। कवियों, लेखकों, साहित्यकारों, अन्वेषणकर्ताओं आदि द्वारा मुझ पर लिखने के पश्चात मुझे प्रेस में मुद्रण के लिए भेजा जाता है। वहाँ पर छापे खाने में मशीनों के अंदर मुझे असहनीय कष्टों से गुजरना पड़ता है। उसके बाद जिल्द बनाने वालों हाथों से मुझे गुजरना पड़ता है और इस तरह कई सारी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद में पुस्तक विक्रेताओं के पास पहुँचती हूँ और अंत में आप जैसे पाठकों के हाथ मैं पहुँचती हूँ। पर यहीं पर मेरी कहानी समाप्त नहीं होती है। कुछ अच्छे पाठक होते हैं जो मुझे बेहद संभालकर रखते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो पढ़ने के बाद मुझे कहीं भी कोने में फेंक देते हैं। इन सब अनुभवों से गुजरने के बाद आज मैं आपके हाथ में हूँ। मैं पाठकों से केवल यही कहना चाहती हूँ कि पढ़ने के बाद मुझे फेंके नहीं और न ही फाड़े। यदि वे मुझे पढ़ना न भी चाहते हो तो घर में कहीं संभालकर रख दें या किसी अन्य पुस्तक प्रेमी या जरूरतमंद को दे दें।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. आपके नाम से प्रेषित एक हजार रु. के मनीआर्डर की प्राप्ति न होने का शिकायती पत्र अधीक्षक, पोस्ट आफिस को 80 से 100 शब्दों में लिखिए।

दून छात्रावास

देहरादून

दिनाँक: 15 मार्च 20xx

सेवा में,

अधीक्षक

पोस्ट ऑफिस

देहरादून

विषय : मनीआर्डर की प्राप्ति न होने हेतु शिकायती पत्र।

महोदय

मेरे पिताजी ने मेरी परीक्षा फ़ीस भरने के लिए कार्तिक गोदाल के नाम से एक हजार रु. का मनीआर्डर दस दिन पहले (5 मार्च 2016) को किया था, मुझे वह अब तक प्राप्त नहीं हुआ। ये पैसे मुझे अपनी वार्षिक परीक्षा शुल्क भरने के लिए भेजा गया था। मुझे शीघ्र ही फ़ीस भरनी है।

अत: आपसे निवेदन है कि आप तुरंत इस बात का संज्ञान लेते हुए मेरी समस्या को सुलझाने का प्रयास करें।

धन्यवाद

भवदीय

कार्तिक गोदाल

2. आपका छोटा भाई पढ़ाई में बिलकुल ध्यान नहीं दे रहा है। वह न तो विद्यालय में पढ़ता है और न घर पर। इस बार परीक्षा में उसके अंक भी बहुत कम आए हैं। अतः पढ़ाई का महत्त्व समझाते हुए 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

जोसेफ़ एंड मेरी स्कूल

ब्लाक-एन, अलीपुर

पश्चिम बंगाल - 42

दिनाँक: 15 जुलाई 20xx

प्रिय अजय

चिरंजीव रहो।

कल ही पिता जी का पत्र प्राप्त हुआ। उस पत्र को पढ़कर पता चला कि तुम अधिकांश समय खेलकूद में तथा मित्रों के साथ व्यर्थ के वार्तालाप में नष्ट कर देते हो। यह उचित नहीं है। मन को एकाग्र करके पढ़ाई की ओर ध्यान दो। अपनी दिनचर्या नियमित करो और हर क्षण अपने लक्ष्य पर दृष्टि रखो। तुम्हें ज्ञात होगा कि जितने भी महान व्यक्ति हुए हैं, उन्होंने अपने जीवन के एक क्षण को भी व्यर्थ नहीं जाने दिया। प्रिय अजय याद रखो, समय संसार का सबसे बड़ा शासक है। समय का मूल्य समझना है। यह बात ठीक है कि जीवन में मनोरंजन का भी महत्त्व है, पर मेहनत का पसीना बहाने के बाद।

यदि तुम एकाग्र मन से नहीं पढ़ोगे, तो परीक्षा में असफल होने के कारण तुम्हारा भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा। अपना ध्यान पढ़ाई में लगाओ।

इसी आशा के साथ पत्र समाप्त करता हूँ कि तुम मेरी बातों पर ध्यान केंद्रित करोगे और आगामी परीक्षा में हमें तुम निराश नहीं करोगे।

तुम्हारा अग्रज

रोनित

प्र. 12. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन 40 से 50 शब्दों में करें। [5]

1.

उपर्युक्त चित्र भूकंप से संबंधित है। चित्र में चारों ओर ध्वस्त इमारतें और उनका मलबा दिखाई दे रहा है। चित्र भूकंप के थम जाने के बाद का है। चित्र में बचाव दल के साथ लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

भूकम्प अर्थात् भूमि का कम्पन! पृथ्वी का अपनी धुरी पर हिलना डुलना, कम्पन करना भूकम्प या भूचाल कहलाता है। सामान्यतः भूमि अपनी धुरी पर हिलती है तो उससे भूकम्प नहीं आते मगर जब धरती के नीचे सब कुछ अधिक पैमाने पर होता है तो पृथ्वी का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह प्रभावित होता है।

भूकम्प पीड़ितों के दुखों का अनुमान नहीं लगा सकते। किन्तु दूरदर्शन पर देखकर और समाचार पत्र पढ़ कर हमें ज्ञात होता है कि उनके साथ क्या घटित हुआ। सब अपने परिवारों से बिछुड़ जाते हैं। घरबार, धन दौलत सब कुछ समाप्त हो जाता है।

जापान में प्रायः भूकम्प आते रहते हैं अतः वहाँ लकड़ी के मकान बनाए जाते हैं जिससे जान माल का नुकसान कम हो।

भूकंप के आने पर हमें कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए जैसे भूकंप महसूस होते ही घर से बाहर निकलकर खुली जगह पर चले जाना चाहिए, कमरे से बाहर न निकल पाने की स्थिति में कमरे के किसी कोने या किसी मजबूत

फर्नीचर के नीचे छिप जाना चाहिए, घर के बाहर निकलकर कभी भी बिजली, टेलीफोन के खंभे या पेड़-पौधों के नीचे न खड़े नहीं होना चाहिए कमरे मौजूद सभी बिजली के उपकरणों को बंद कर देना चाहिए।

2.

उपर्युक्त चित्र पुस्तकालय से संबंधित है। पुस्तकालय काफी बड़ा और सुरुचिपूर्ण लग रहा है। कुछ बच्चे पढ़ने में मग्न नजर आ रहे हैं। चित्र में कुछ बच्चे पुस्तकालय की शिक्षिका के सामने कतारबद्ध नजर आ रहे है उन्हें शायद अपनी पुस्तकें लौटानी है या फिर नई लेनी है। पुस्तकालय के साथ ही संगणक कक्ष भी नजर आ रहा है।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।

ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?

विक्रम : घर पर ही था, तबियत ठीक नहीं थी।

ताहिर : क्या हुआ था? डॉक्टर को दिखाया?

विक्रम : नहीं डॉक्टर को नहीं दिखाया। वैसे कुछ खास नहीं पर क्या बताऊँ कुछ दिनों से थकान और बार-बार सिरदर्द रहता है।

ताहिर : तुम्हें व्यायाम की आवश्यकता है। दिनभर ऑफिस में बैठने से भी ऐसी समस्याएँ होती है।

विक्रम : मुझे नहीं पसंद व्यायाम करना।

ताहिर : नहीं मित्र व्यायाम से तुम्हारे शरीर में स्फूर्ति आएगी और बीमारियाँ दूर भागेगी।

विक्रम : बड़ी आलस आती है।

ताहिर : ज्यादा नहीं तो सुबह में आधा घंटा चला करो और कुछ हलकी सी कसरत कर लिया करो। मैं तो रोज सुबह चलने जाता हूँ।

विक्रम : अच्छा तो कल से मैं भी तुम्हारे साथ आऊँगा।

ताहिर : यह हुई न बात।

विक्रम : कल सुबह मिलते है।

2. मकान मालिक और किरायेदार के मध्य संवाद लिखिए।

मकान मालिक : कैसे हो?

किरायेदार : जी ठीक।

मकान मालिक : महीने की दस तारीख हो गई तुम किराया देने नहीं आए तो मैंने सोचा मैं ही चलकर देख लूँ।

किरायेदार : माफ़ करना इस बार समय से आपका किराया नहीं दे पाया।

मकान मालिक : आज मिलेगा क्या?

किरायेदार : नहीं साहब। माफ़ करना आज भी नहीं दे पाऊँगा।

मकान मालिक : क्या बात हो गई?

किरायेदार : मेरे गाँव से माँ का खत आया था कुछ आवश्यक काम के लिए पैसे चाहिए थे तो मना नहीं कर पाया।

मकान मालिक : अब किराये का क्या?

किरायेदार : जी, मुझे दो दिन का समय दीजिए। मैं आपके घर आकर दे दूँगा।

मकान मालिक : ठीक है, आज तक तो तुम हमेशा समय से ही किराया देते रहे हो तो दो दिन रुक जाता हूँ।

किरायेदार : बहुत धन्यवाद आपका।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. कॉफ़ी के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

कड़क कॉफ़ी

कड़क कॉफ़ी का प्याला

आपको बनादे मतवाला

यह है ,कड़क कॉफ़ी का वादा

यह है उम्मीद से ज्यादा

2. साइकिल का विज्ञापन तैयार कीजिए।

रोमी साइकिल

बचपन का लेना है पूरा मज़ा ?

रोमी साइकिल है एक वजह।